सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 283 | जौनपुर, बुधवार, 10 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बीते तीन महीने में जीएसटी से प्रदेश को मिले 28 हजार करोड़

लखनऊ, संवाददाता। इस वर्ष की पहली तिमाही में प्रदेश सरकार के खजाने में 51345 करोड़ रुपये आए। इसमें करीब 28 हजार करोड़ रुपये जीएसटी और वैट से मिले। दूसरे नंबर पर आबकारी विभाग से 11784 करोड़ और तीसरे नंबर पर 7415 करोड़ का राजस्व देकर स्टांप व निबंधन रहा। परिवहन का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है और इन तीन महीनों में विभाग ने 2968 करोड़ कमाए। भू–राजस्व के अंतर्गत 113 करोड़ और ऊर्जा के अंतर्गत 733 करोड़ रुपये का राजस्व अप्रैल से जून के बीच मिला। ये जानकारी वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि पहली तिमाही का कुल राजस्व लक्ष्य 66794 करोड़ रुपये था। प्राप्त राजस्व निर्धारित लक्ष्य का 76.9 प्रतिशत है। मंगलवार को वित्त मंत्री ने बताया कि जून में कुल 16924.73 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ जबकि पिछले वर्ष जून में 15,609.35 करोड़ राजस्व मिला था। यानी पिछले वर्ष के जून माह की तुलना में इस जून में 1,315.38 करोड़ अधिक मिले। जून में जीएसटी बढ़ा है। इस बार 6656 करोड़ मिले। पिछली बार 5623 करोड़ रुपये आए थे। पिछले वर्ष जून में वैट से मिले 2808 करोड़ की तुलना में इस बार 2826 करोड़ मिले।

हाथरस घटना मे दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई – संजय निषाद

इटावा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में योगी सरकार के मंत्री पहुंचकर अक्सर सरकारी कामकाज का जायजा लेने पहुंचते रहते हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री संजय निषाद सोमवार को इटावा पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए संजय निषाद ने कहा कि सरकार की तरफ से मछली पालन को लेकर तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां मिलती हैं, उन कमियों को दूर करने के आदेश भी दिए जाते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का मैं धन्यवाद करता हूं, खासतौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का, जिन्होंने मत्स्य विभाग को अलग बनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से मछली पालने वाले लोगों के लिए तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत उनको मछली पालन करने पर सब्सिडी भी दी जा रही है। हम लोग उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। हाथरस घटना को लेकर उन्होंने कहा कि हर पहलू से मामले की गंभीरता के साथ जांच की जा रही है। जांच में अगर कोई व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

हाथरस कांड में सीएम योगी का चाबुक चला, एसडीएम और सीओ समेत 6 सस्पेंड

लखनऊ, संवाददाता। विशेष जांच दल द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को हाथरस भगदड़ मामले में छह अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए लोगों में सिकंदराराऊ उप–विभागीय मजिस्ट्रेट और सर्कल अधिकारी भी शामिल हैं। एसआईटी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी 300 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी, जिसमें भगदड़ के लिए सत्संग के आयोजकों को दोषी ठहराया गया, जिसमें 121 लोग मारे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने वाली समिति अनुमति से अधिक लोगों को आमंत्रित करने के लिए जिम्मेदार थी। गौरतलब है कि

एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में जिलाधिकारी हाथरस आशीष कुमार और पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल के अलावा सिकंदराराऊ एसडीएम और सीओ के बयान दर्ज किए थे। एसआईटी ने मृतकों के परिजनों और घायल श्रद्धालुओं समेत 119 लोगों के बयान दर्ज किए थे। हाथरस भगदड़ की जांच कर रही एक विशेष जांच टीम ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में 2 जुलाई को हुई भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई। एसआईटी में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (आगरा जोन) अनुपम कुलश्रेष्ठ और अलीगढ़ मंडलायुक्त चौत्रा वी शामिल थे। सूचना निदेशक शिशिर ने कहा, एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। हालाँकि, उन्होंने रिपोर्ट की सामग्री का खुलासा नहीं किया।

कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाओं पर जवाब दे सरकार – सचिन पायलट

नई दिल्ली, एजेंसी। कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हो गए। इसको लेकर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि, घाटी में आतंकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कठुआ आतंकी हमले में पांच जवानों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि, घाटी में आतंकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। लेकिन सरकार सदन में दावा करती है कि यहां पर सब कुछ ठीक है और स्थिति नियंत्रण में है। कांग्रेस नेता ने आगे

कहा कि मुझे आश्चर्य है कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सितंबर से पहले जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का आदेश दिया है। लेकिन सीमा पार से आतंकियों ने हमारे नौ जवानों को शहीद कर दिया। जवानों पर घात लगाकर हमले हो रहे हैं। ऐसे में सरकार को जवाब देना पड़ेगा। आगे कहा कि सेना के जवानों पर हो रहे आतंकी हमलों को लेकर केंद्र सरकार को कुछ करना पड़ेगा।

सदन में चुप रहकर बाहर टिप्पणी करना गलत – उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तीन आपराधिक कानूनों पर कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय

मंत्री पी.चिदंबरम के तीखे बयान पर नए सिरे से हमला किया है। धनखड़ ने कहा कि आपकी चुप्पी से लगता है कि सदन में चुप रहकर बिना भाग लिए हुए अपना शामिल होना जाहिर कर रहे हैं। सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेना और बाहर टिप्पणी करना गलत है। सोमवार को उप राष्ट्रपति धनखड़ ने शनिवार से दूसरी बार चिदंबरम पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने (चिदंबरम ने) सदन (राज्य सभा) में कुछ नहीं कहा। वह समिति (गृह मंत्रालय से संबंधित स्थायी समिति) के सदस्य थे। अगर कोई समिति का सदस्य होता है तो वह उसके समक्ष अपने विचार रखता है। समिति बहुमत के आधार पर फैसला लेती है। सदस्य को अपनी बात सदन में रखने का अवसर मिलता है। वह तार्किक व मनाने की कवायद करके अपना पक्ष मनवाने का प्रयास करता है। धनखड़ ने राज्यसभा के इंटर्न के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आप अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन ही नहीं करते हैं तो फिर आप अपना काम नहीं कर रहे हैं।

जवानों की शहादत का मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। कठुआ हमले को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान सामने आया है। पांच जवानों की शहादत से दुख है। राजनाथ सिंह ने आगे लिखा है कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, इस कठिन समय में राष्ट्र उनके साथ मजबूती से खड़ा है। आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहे हैं और हमारे सैनिक क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। आपको बता दें कि सेना की तरफ से ऑपरेशन ऑल आउट चलाया गया था। घाटी में कहीं न कहीं आतंकियों की कमर टूट गई। उनका जो नेटवर्क था पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। फाइनेंसिंग पर भी करारी चोट लगी। ऐसे में अब आतंकियों ने पुराने तरीके को अपनाया है। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला करने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए व्यापक संयुक्त तलाश अभियान शुरू

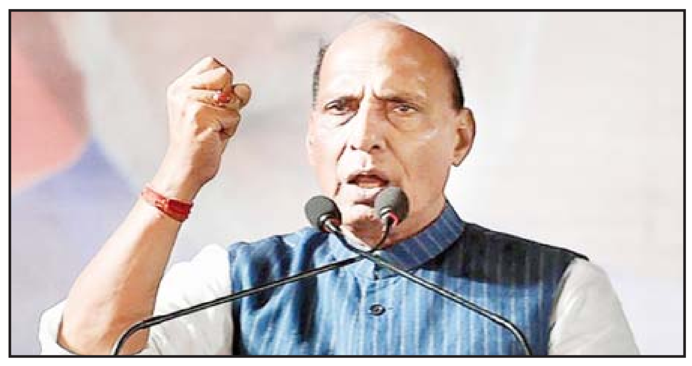

किया गया। इस हमले में पांच जवान शहीद हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जमीनी खोज दल हेलीकॉप्टर और यूएवी निगरानी के साथ तलाश अभियान चला रहे हैं। इसमें खोजी कुत्तों और मेटल डिटेक्टर की मदद भी ली जा रही है। इस क्षेत्र में घने जंगलों में तलाश अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सेना, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने माचेडी, बदनोत, किंडली और लोहई मल्हार इलाकों में घेराबंदी की और तलाश अभियान शुरू किया।

कठुआ जिले के माचेडी इलाके में सोमवार को सेना के एक ट्रक पर घात लगाकर किये गए आतंकवादियों के हमले में जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत पांच जवान शहीद हो गए और पांच अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, ऐसा माना जा रहा है कि तीन से चार आतंकवादियों ने हमले को अंजाम दिया जिनमें ज्यादातर विदेशी थे। वे उसी समूह का हिस्सा हैं जो बसनगढ़ हमले में शामिल थे। बसनगढ़ के पनारा गांव में 28 अप्रैल को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक ग्राम रक्षा प्रहरी मोहम्मद शरीफ की मौत हो गयी थी। सुरक्षा बलों ने जून में कठुआ जिले के बानी, डग्गर और किंडली इलाकों के ऊपरी क्षेत्रों में एक समूह की गतिविधियों का पता लगाया था और तलाश अभियान चलाया था।

सरकार ने कुलपतियों की नियुक्ति पर उच्चतम न्यायालय के आदेश को 'लोकतंत्र की जीत' करार दिया - ममता

कोलकाता, एजेसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय के उस आदेश को 'लोकतंत्र की जीत' करार दिया जिसमें कहा गया है कि कुलपतियों की नियुक्ति के लिए अदालत की ओर से गठित खोज समिति उम्मीदवारों के नाम मुख्यमंत्री को भेजेगी ना कि राज्यपाल को। दिन में इसके पहले न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने निर्देश दिया कि पूर्व प्रधान न्यायाधीश यू यू ललित की अध्यक्षता वाली समिति का गठन दो हफ्तों के अंदर किया जाएगा। पीठ ने निर्देश यह जानने के बाद दिया कि राज्य सरकार और राज्यपाल (विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति) दोनों समिति गठित करने पर राजी हैं। उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,''लोकतंत्र की एक बार फिर जीत हुई।'' बसु ने कहा कि इस आदेश में पीठ ने निर्देश दिया खोज सह चयन

समिति हर विश्वविद्यालय के लिए तीन नाम की सिफारिश राज्य के ''लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रमुख को भेजेगी''। मंत्री ने कहा, ''माननीय मुख्यमंत्री फिर कुलाधिपति को अपनी पसंद के अनुसार पैनल की सिफारिश करेंगी, किसी भी नाम के खिलाफ अपनी राय, यदि कोई हो, दर्ज करेंगी। इसके बाद कुलाधिपति विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति करेंगे। इसी तरह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थक शिक्षाविदों के मंच 'एजुकेशनिस्ट्स फोरम' ने कहा, ''पश्चिम बंगाल के उच्च शिक्षा क्षेत्र पर कुलाधिपति द्वारा थोपी गई अवैधताओं के बीच माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने आज पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति ललित के जरिये उचित प्रक्रिया के माध्यम से निष्पक्ष चयन के सिद्धांत की पुष्टि की है।'' शीर्ष अदालत कलकत्ता उच्च न्यायालय के 28 जून, 2023 के आदेश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि राज्य सरकार के 11 विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों (वीसी) की नियुक्ति के लिए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल द्वारा जारी आदेशों में कोई अवैधता नहीं थी क्योंकि वे इन संस्थानों के पदेन कुलाधिपति हैं। सरकार का राज्यपाल सीवी आनंद बोस के साथ इस बात पर विवाद है कि राज्य के विश्व विद्यालयों को कैसे चलाया जाना चाहिए।

कम नहीं हो रही केजरीवाल की मुश्किलें, ईडी की चार्जशीट पर कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लिया, जिसमें उन्हें आबकारी नीति मामले में आरोपी बनाया गया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने 12 जुलाई के लिए अरविंद केजरीवाल का प्रोडक्शन वारंट जारी किया है।

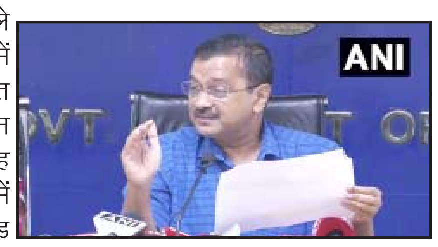

इससे पहले, 3 जुलाई को कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर मामले में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में नई जमानत याचिका दायर की थी। सीबीआई ने आप सुप्रीमो को 26 जून को भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किया था, जबकि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में थे। सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका अभी भी हाई कोर्ट में लंबित है। ईडी मामले में जमानत के लिए एक और मामला ट्रायल कोर्ट में लंबित है। इससे पहले, दिल्ली के सीएम को उनके खिलाफ ईडी मामले में ट्रायल कोर्ट की अवकाशकालीन पीठ ने जमानत दे दी थी। लेकिन, दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी और रोस्टर बेंच द्वारा मामले की दोबारा सुनवाई का आदेश दिया। पिछले हफ्ते, दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और उसके बाद रिमांड पर सीबीआई को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने सीबीआई को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया है। इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने मंगलवार को उच्च न्यायालय को बताया।

सीएम नीतीश ने नदियों के बढ़ते जलस्तर का किया हवाई सर्वेक्षण

बिहार, एजेंसी। पिछले 24 घंटों में बिहार के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण कोसी, महानंदा, बागमती, गंडक, कमला बलान और कमला सहित प्रमुख नदियाँ कई

स्थानों पर खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। जल संसाधन विभाग द्वारा जारी एक बुलेटिन में कहा गया है कि नदियाँ कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि कुछ स्थानों पर वे चेतावनी के स्तर को छू गई हैं। बागमती नदी का जलस्तर सीतामढी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, औराई और सुप्पी तथा आसपास के अन्य इलाकों में खतरे के निशान को छू गया है। गोपालगंज और सिधवलिया में गंडक नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसी तरह कमला बलान नदी भी मधुबनी, लखनौर और झंझारपुर में खतरे के निशान को छू गयी। कमला नदी भी मधुबनी और जयनगर के कुछ इलाकों में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। अररिया में परमान नदी खतरे के निशान 47 मीटर से ऊपर बह रही है, वहीं महानंदा पूर्णिया और बैसी में खतरे के निशान को पार कर गयी है। राज्य में भारी बारिश के बाद कई नदियों का जलस्तर बढ़ने पर पूर्वी चंपारण, गोपालगंज और पश्चिमी चंपारण जिलों का सोमवार को हवाई सर्वेक्षण किया। नीतीश कुमार ने पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं गोपालगंज जिलों में नदियों के बढ़ते जलस्तर का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।

भारत जो लक्ष्य ठान लेता है, वो करके छोड़ता है - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी रूस और ऑस्ट्रिया की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सोमवार शाम को मॉस्को पहुंचे, जहां पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने किया। रूसी कलाकारों ने मॉस्को में प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में भारतीय गीतों की प्रस्तुति दी। राष्ट्रपति पुतिन ने सोमवार शाम पीएम मोदी के लिए एक निजी रात्रिभोज का भी आयोजन किया। पीएम मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ 22वें भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह–अध्यक्षता करेंगे। पीएम मोदी ने रूस के क्रेमलिन में अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित किया और मॉस्को में प्रदर्शनी स्थल पर रोसाटॉम मंडप का भी दौरा किया। इसके बाद, पीएम मोदी वहां उपस्थित भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपका ये प्रेम, आपका ये स्नेह और आपने यहां आने के लिए समय निकाला, इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत आभारी हूं। उन्होंने आगे कहा, ष्मैं यहां अकेला नहीं आया। मैं अपने साथ हिंदुस्तान की

मिट्टी लेकर आया हूं। मैं अपने साथ 140 करोड़ देशवासियों का प्यार लेकर आया हूं। उनकी शुभकामनाएं आपके लिए लेकर आया हूं। यह बहुत ही सुखद है कि तीसरी बार सरकार आने के बाद भारतीय प्रवासियों से मेरा पहला संवाद मॉस्को में आपके साथ हो रहा है। उन्होंने भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि 9 जून को मैंने पीएम पद की शपथ ली थी। आज 9 जुलाई को एक महीने होने को हैं। शपथ लेने के दिन ही मैंने एक प्रण किया था कि अपने तीसरे टर्म में मैं तीन गुनी ताकत से काम करूंगा। तीन गुनी रफ्तार से काम करूंगा। ये भी एक संयोग है कि सरकार के कई लक्ष्यों में भी तीन अंक छाया हुआ है। हमारा लक्ष्य भारत को तीसरी टर्म में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनाना है। सरकार का लक्ष्य तीसरे टर्म में गरीबों के लिए तीन करोड़ आवास बनाना है, तीन करोड़ लखपति दीदी बनाना है।

उन्होंने कहा, ष्आप जानते होंगे कि आज का भारत जो लक्ष्य ठान लेता है, वो करके छोड़ता है। आज भारत वो देश है, जो चंद्रयान को चंद्रमा पर वहां पहुंचाता है, जहां दुनिया का कोई दूसरा देश आज तक नहीं पहुंचा पाया। भारत वो देश है, जो डिजिटल ट्रांजैक्शन का सबसे भरोसेमंद तकनीक दुनिया को दे रहा है। आज भारत वो देश है, जो सोशल सेक्टर की बेहतरीन पॉलिसी से अपने नागरिकों को सशक्त कर रहा है। आज भारत वो देश है।

संपादकीय

उप अध्यक्ष पद के लिए चेहरा

18वीं लोकसभा के उद्घाटन सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष की स्थिति निचले सदन की संरचना में आए बदलाव को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। पिछले 10 वर्षों से संख्यात्मक रूप से मजबूत सत्तारूढ़ व्यवस्था के सामने झुके विपक्षी दलों ने अपनी बेहतर बेंच स्ट्रेंथ से आत्मविश्वास हासिल किया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि अब उन्हें और नहीं दबाया जा सकता। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष के नवनियुक्त नेता राहुल गांधी के तीखे भाषण से यह स्पष्ट हो गया। विपक्ष जहां पूरी तरह से उग्र था, वहीं सत्ता पक्ष के सदस्य बिल्कुल भी उदासीन नहीं दिखे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा में आने पर "मोदी, मोदी" के नारे पहले के सत्रों की तुलना में अपेक्षाकृत कम थे। इसी तरह, राहुल गांधी को सत्ता पक्ष से न्यूनतम व्यवधान के साथ अपनी बात कहने की अनुमति दी गई, जो पहले से बहुत बड़ा बदलाव है। और फिर से जब प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी का खंडन करने के लिए हस्तक्षेप किया तो भाजपा के सदस्य उनका समर्थन करने के लिए आगे नहीं आए। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के सदन से बाहर चले जाने के बाद भाजपा की कार्यवाही में रुचि खत्म हो गई और विपक्ष को खुली छूट मिल गई। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान को छोड़कर भाजपा के सहयोगियों ने कोई भी ऐसा बयान नहीं दिया जो उनके पक्ष में हो। कांग्रेस के नेतृत्व वाला भारत गठबंधन इस बात से भली-भांति परिचित है कि संविधान में संशोधन के भाजपा के प्रस्ताव पर उसके चुनाव अभियान ने मतदाताओं, खासकर दलितों को प्रभावित किया है, लेकिन 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में भी कांग्रेस के नेतृत्व वाला भारत गठबंधन इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। विपक्ष ने अनुसूचित जातियों को अपने पाले में लाने की योजना के साथ दलितों के दावे के लिए "संविधान खतरे में है" की कहानी को आगे बढ़ाया है। यही कारण है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अपने दलित सदस्यों – के. सुरेश और अवधेश प्रसाद को लोकसभा में सम्मानजनक स्थान दिया। जबकि श्री सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया था, जब भी चुनाव की अधिसूचना जारी होगी, तब विपक्ष श्री प्रसाद को उपसभापति पद के लिए मैदान में उतारने की योजना बना रहा है। दलित होने के अलावा, श्री प्रसाद ने अयोध्या में भाजपा को हराया, जो फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। विपक्ष द्वारा संविधान पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से भाजपा स्पष्ट रूप से परेशान है। इसलिए, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि राष्ट्रपति के अभिभाषण और संसद में बहस के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाबों में इस बात पर विस्तार से चर्चा की गई कि कैसे कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान को कमजोर किया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन द्वारा जेल से रिहा होने के बाद पार्टी के सहयोगी चंपई सोरेन से मुख्यमंत्री का पद वापस लेने का फैसला पूरी तरह से अप्रत्याशित नहीं था, हालांकि राज्य में हर कोई इन घटनाक्रमों की तेज गति से हैरान था। झामुमो के एक वर्ग का मानना था कि यह जरूरी है कि हेमंत सोरेन आगामी विधानसभा चुनावों से पहले फिर से कमान संभालें क्योंकि उनके पास पार्टी के आधार का विस्तार करने के लिए कद और प्रोफाइल है, खासकर तब जब लोकसभा चुनाव ने दिखाया कि पार्टी आदिवासी बेल्ट तक ही सीमित थी। दुमका, राजमहल और सिंहभूम में झामुमो विजयी हुआ – सभी आरक्षित सीटें। लेकिन यही एक उदार व्याख्या है। दूसरा कारण यह बताया गया है कि अगर चंपई सोरेन मुख्यमंत्री बने रहते, तो विधानसभा चुनाव में जेएमएम के बेहतर प्रदर्शन की स्थिति में उन्हें हटाना असंभव होता, क्योंकि पार्टी की जीत का श्रेय उन्हें ही जाता। अब सबकी निगाहें चंपई सोरेन पर टिकी हैं। क्या वह इस फैसले को चुपचाप स्वीकार करेंगे या जेएमएम के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे? राज्यसभा की कई सीटें खाली होने के कारण कांग्रेस पार्टी के संचार विभाग में उत्साह का माहौल है, क्योंकि खबर है कि विभाग से एक व्यक्ति को उच्च सदन में जगह मिल सकती है। राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा और उनकी सहयोगी सुप्रिया श्रीनेत के बारे में कहा जा रहा है कि वे इस दौड़ में हैं। हालांकि निराश श्री खेड़ा ने पहले कहा था कि शायद उनकी "तपस्या" में कुछ कमी रह गई है, लेकिन सुप्रिया को एक मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि चुनाव के दौरान उनके द्वारा चलाए गए सोशल मीडिया अभियानों ने बड़ा प्रभाव डाला और कांग्रेस की छवि को ऊपर उठाने में काफी मदद की। चूंकि यह सर्वविदित है कि श्री खेड़ा और सुप्रिया वास्तव में सबसे अच्छे दोस्त नहीं हैं, कर्नाटक के नेता एल हनुमंतैया जैसे अन्य लोग हैं जो उम्मीद कर रहे हैं कि श्री खेड़ा और सुप्रिया के बीच प्रतिद्वंद्विता उनके फायदे के लिए काम करेगी। हालांकि वायनाड उपचुनाव की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है, लेकिन कांग्रेस ने पहले ही घोषणा कर दी है कि राहुल गांधी द्वारा खाली की गई लोकसभा सीट पर प्रियंका गांधी वाड्रा को मैदान में उतारा जाएगा। इस कदम ने अन्य राजनीतिक दलों को असमंजस में डाल दिया है। केरल में कांग्रेस पार्टी के मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी वाम मोर्चे को यह तय करना है कि उसे एक मजबूत उम्मीदवार को नामित करना चाहिए या एक प्रतीकात्मक लड़ाई का विकल्प चुनना चाहिए। सीपीआई ने हाल के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के खिलाफ अपने वरिष्ठ नेता एनी राजा को मैदान में उतारा, जिससे यह सुनिश्चित हो गया।

संसदीय बहसों को संपादित करके प्रसारित किया जाए

उमेश

हाल की कुछ घटनाओं के चलते संसदीय कार्यवाही के लाइव टीवी

प्रसारण पर सवाल उठने लगे हैं। संसदीय लोकतंत्र की गरिमा को बचाए–बनाए रखने वाले तबके में इसकी मांग उठने लगी है। इस वर्ग का मानना है कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो संसद की गरिमा घटेगी। अपने आचरण के चलते सांसदों का एक वर्ग लोगों की नजर में अपनी प्रतिष्ठा तो खो ही चुका है। लाइव प्रसारण के जरिये उनके मुखारविंद से जो शब्द संसद में झड़ रहे हैं, उससे स्थितियां उलझी हैं। इसे बिडंबना कहें या उलटबांसी कि जिस ब्रिटेन के हम करीब दो सौ साल तक गुलाम रहे, हमारा संसदीय लोकतंत्र भी उसी ब्रिटिश शासन प्रणाली की तरह है। वैसे शासन प्रणाली जो भी हो, अगर उसे अपना लिया, तो उसकी उच्च परंपराएं, उसकी गरिमा और मर्यादा को भी स्वीकार करना होगा। पूर्व उपप्रधानमंत्री देवीलाल कहा करते थे कि लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। यानी महान परंपराओं और गरिमा को स्वीकार किए बिना कोई भी शासन सफल नहीं हो सकता। अगर लोक का भरोसा शासन प्रणाली से खत्म हो गया, तो उस प्रणाली पर सवालिया निशानों की झड़ी लग जाती है। ब्रिटिश संसद में एक परंपरा है कि संसदीय कार्यवाही से हटाए गए शब्दों को न तो कभी उद्धृत किया जा सकता है और न ही उसे रिपोर्ट किया जा सकता है। जाहिर है कि हटाए गए शब्द अमर्यादित, तथ्यहीन और गरिमा के विरुद्ध होते हैं। जब तक टेलीविजन नहीं था, पत्रकारों को संसदीय इम्बार्गो और कार्यवाही की रिपोर्टिंग के मायने गहराई से समझाए जाते थे। संसद या किसी संसदीय समिति के बयान की जानकारी होने के बावजूद उसे तब तक सार्वजनिक नहीं किया जा सकता था, जब तक कि संसद या संसदीय समिति द्वारा तय की गई समय सीमा खत्म न होती थी। मियाद पूरी होने के बाद ही वह अखबार में छपता था। अखबारों के रिपोर्टर संसद की रिपोर्टिंग करते हुए सांसदों की उन बातों को भी सुनते ही थे, जिन्हें कार्यवाही से हटा दिया जाता था। लेकिन उनका उल्लेख वे अपनी रिपोर्टों में नहीं करते थे। इसका उद्देश्य था कि लोगों तक वही बातें पहुंचे, जो मर्यादित एवं तथ्यात्मक रूप से ठीक हों। लाइव प्रसारण के चलते अब जनता तक वे सारी बातें भी पहुंच रही हैं, जो तथ्यहीन हैं, और जिन्हें संसदीय कार्यवाही से निकाल दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण को रखा जा सकता है। उन्होंने अग्निवीर, फसलों पर एमएसपी आदि पर तथ्यहीन बातें कीं। चूंकि लाइव प्रसारण के कारण उन्हें संसद के लाइव प्रसारण देखने वाले सभी लोगों ने देखा और सुना। इसके बाद भले ही उनकी बातों को कार्यवाही से हटा दिया गया हो, लेकिन जनता के बीच संदेश तो पहुंच ही गया। इसी तरह राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को पदेन सभापति जगदीप धनखड़ ने कई बार टोका, लेकिन नहीं मानने पर उनके भाषण के हिस्सों को एक्सपंज किया जाता रहा।

बजट से भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास

प्रहलाद

वित्तीय वर्ष 2024–25 का पूर्णकालिक बजट माननीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा भारतीय संसद में 23 जुलाई 2024 को पेश किया जा रहा है। वर्तमान में भारत सहित विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी नीतियों का अनुसरण करते हुए अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। परंतु, हाल ही के वर्षों में पूंजीवादी नीतियों के अनुसरण के कारण, विशेष रूप से विकसित देशों को, आर्थिक क्षेत्र में बहुत भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह देश इन समस्याओं का हल निकाल ही नहीं पा रहे हैं। नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीति की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिन्नभिन्न हो गया है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत चूंकि व्यक्तिवाद हावी रहता है अतः स्थानीय समाज में विभिन्न परिवारों के बीच आपसी रिश्ते केवल आर्थिक कारणों के चलते ही टिक पाते हैं अन्यथा शायद विभिन्न परिवार एक दूसरे से रिश्तों को आगे बढ़ाने में विश्वास ही नहीं रखते हैं। कई विकसित देशों में तो पति–पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। अमेरिका में तो यहां तक कहा जाता है कि 60 प्रतिशत बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं होती है एवं केवल माता को ही अपने बच्चे का लालन–पालन करना होता है, जिसके कारण बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है एवं यह बच्चे अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, समाज में हिंसा की दर बढ़ रही है तथा वहां की जेलों में कैदियों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। इन देशों के नागरिक अब भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रहे हैं एवं उन्हें उम्मीद है कि उनकी आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का हल भारतीय सनातन संस्कृति में से ही निकलेगा। अतः इन देशों के नागरिक अब भारतीय सनातन संस्कृति की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत में वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कुछ हद तक वामपंथी नीतियों का अनुसरण करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास किया गया था। परंतु, वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों ने बहुत फलदायी परिणाम नहीं दिए अतः बहुत लम्बे समय तक यह नीतियां आगे नहीं बढ़ सकीं। हालांकि बाद के खंडकाल में तो वैश्विक स्तर पर वामपंथी विचारधारा ही धराशायी हो गई एवं सोवियत रूस कई टुकड़ों में बंट गया। आज तो रूस एवं चीन सहित कई अन्य देश जो पूर्व में वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना रहे थे, ने भी पूंजीवादी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना लिया है। भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं पूरे विश्व के आर्थिक पटल पर भारत का डंका बजा करता था। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत के आसपास बनी रही है। उस समय पर भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित आर्थिक नीतियों का अनुपालन किया जाता था। मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण का बोझ, वित्तीय घाटा, बुजुर्गों को समाज पर बोझ समझना, बच्चों का हिंसक होना, सामाजिक तानाबाना छिन्नभिन्न होना आदि प्रकार की समस्याएं नहीं पाई जाती थीं। समाज में समस्त नागरिक आपस में भाईचारे का निर्वहन करते हुए खुशी खुशी अपना जीवन यापन करते थे। प्राचीन काल में भारत के बाजारों में विभिन्न वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके चलते मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं उत्पन्न ही नहीं होती थी। ग्रामीण इलाकों में कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे जहां खाद्य सामग्री एवं अन्य पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता रहती थी, कभी किसी उत्पाद की कमी नहीं रहती थी जिससे वस्तुओं के दाम भी नहीं बढ़ते थे। बल्कि, कई बार तो वस्तुओं की बाजार कीमत कम होती दिखाई देती थी क्योंकि इन वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति, मांग की तुलना में अधिक रहती थी। माननीय वित्तमंत्री महोदय को भी देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए बाजारों में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए न कि ब्याज दरों को बढ़ाकर बाजार में वस्तुओं की मांग को कम किए जाने का प्रयास किया जाए। विकसित देशों द्वारा अपनाई गई आधुनिक अर्थशास्त्र की यह नीति पूर्णत असफल होती दिखाई दे रही है और इतने लम्बे समय तक ब्याज दरों को ऊपरी स्तर पर रखने के बावजूद मुद्रा स्फीति की दर वांछनीय स्तर पर नहीं आ पा रही है। भारत को इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखानी चाहिए एवं आधुनिक अर्थशास्त्र के मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत को बाजार में वस्तुओं की मांग कम करने के स्थान पर वस्तुओं की आपूर्ति को बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए अर्थात आपूर्ति पक्ष पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे मुद्रा स्फीति तो कम होगी ही परंतु साथ ही अर्थव्यवस्था में विकास की दर भी और तेज होगी क्योंकि वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ते रहने से विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां बढ़ेंगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। परंतु यदि वस्तुओं की मांग में कमी करते हुए मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के प्रयास होंगे तो उत्पादों की मांग में कमी होने के चलते उत्पादों का निर्माण कम होने लगेगा, विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां कम होंगी एवं देश में बेरोजगारी की समस्या बढ़ेगी। मांग में कमी करने के प्रयास सम्बंधी सोच ही अमानवीय है। इसी प्रकार, प्राचीन भारत में ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र के साथ ही कुटीर एवं लघु उद्योगों पर विशेष ध्यान दिया जाता था। कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे, इन कृषि उत्पादों के साथ ही इन कुटीर एवं लघु उद्योगों में निर्मित उत्पाद भी बेचे जाते थे। अतः ग्रामीण इलाकों से शहरों की पलायन नहीं होता था तथा नागरिकों को रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही उपलब्ध हो जाते थे। आज की परिस्थितियों के बीच कृषि क्षेत्र तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण इलाकों में ही रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित हो सकें। जनता पर करों के बोझ को कम करने के सम्बंध में भी विचार होना चाहिए। भारत के प्राचीन शास्त्रों में कर सम्बंधी नीति का वर्णन मिलता है जिसमें यह बताया गया है कि राज्य को जनता पर करों का बोझ उतना ही डालना चाहिए जितना एक मधुमक्खी फूल से शहद निकालती है। अर्थात, जनता को करों का बोझ महसूस नहीं होना चाहिए। अतः वित्तीय वर्ष 2024–25 वर्ष के लिए प्रस्तुत किए जाने बजट में भी आवश्यक वस्तुओं पर लागू करों की दरों को कम करने के प्रयास होने चाहिए। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों को भी करों में छूट देकर कुछ राहत प्रदान की जानी चाहिए ताकि उनकी उत्पादों को खरीदने के क्षमता बढ़े। इससे अंततः अर्थव्यवस्था को ही लाभ होता है। मध्यमवर्गीय परिवारों की खरीद की क्षमता बढ़ने से विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़ती है और अर्थव्यवस्था का चक्र और अधिक तेजी से घूमने लगता है। यदि किसी देश में अधिक से अधिक आर्थिक व्यवहार औपचारिक अर्थव्यवस्था के अंतर्गत किए जाते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र भी तेज गति से घूम रहा है तो ऐसी स्थिति में करों के संग्रहण में भी वृद्धि दर्ज होती है। अतः कई बार करों की दरों में कमी किए जाने के बावजूद कर संग्रहण अधिक राशि का होने लगता है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि माननीया वित्त मंत्री जी के पास वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले बजट के रूप में एक अच्छा मौका है कि भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप आर्थिक नीतियों को लागू कर पूरे विश्व को पूर्व में अति सफल रहे भारतीय आर्थिक दर्शन के सम्बंध में संदेश दिया जा सकता है।

राजनीतिक अनदेखी से बाहर निकलेंगी राजे

विनोद

रविवार का दिन था। मानसून की हल्की फुहारों के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास से बमुश्किल 500–600 मीटर दूर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के आवास पहुंचे। दोनों के बीच पूरा एक घंटा गहन मंत्रणा हुई। क्या बातचीत हुई? यह तो किसी को पता नहीं। इस मुलाकात को लेकर न वसुंधरा राजे और न ही भजनलाल शर्मा की ओर से सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट आई। न मुलाकात का फोटो या वीडियो जारी हुआ। क्या मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कदम को भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे को मनाने का संकेत माना जाना चाहिए। ऐसा हो सकता है। यह जरूर कहा जा सकता है कि वसुंधरा राजे की राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर सक्रियता बढ़ने वाली है। पिछले साल दिसंबर में जब राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो भारतीय जनता पार्टी बहुमत के साथ सत्ता में लौटी। उस समय मुख्यमंत्री को लेकर कई नाम हवा में तैर रहे थे। इनमें एक नाम वसुंधरा राजे का भी था। सबसे अधिक हलचल उनके सिविल लाइंस स्थित बंगले पर थी। 80 से ज्यादा चुनकर आए विधायक वसुंधरा राजे से मिलने पहुंचे थे। वसुंधरा राजे का आत्मविश्वास भी साफ झलक रहा था। भाजपा हाईकमान को राजस्थान में निर्णय लेने में अधिक समय भी लगा। सबसे अंत में राजस्थान में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हुआ। वो 12 दिसंबर 2023 की तारीख थी। उस दिन जयपुर में सर्द हवाओं के बीच भाजपा प्रदेश कार्यालय में सियासी पारा चढ़ा हुआ था। पार्टी नेतृत्व की ओर से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जयपुर आए थे। शाम के समय मुख्यमंत्री के नाम का एलान होना था। झालावाड़ से विधायक वसुंधरा राजे भी बैठक में मौजूद थीं। मंच पर राजनाथ सिंह के साथ बैठी थीं। मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची वसुंधरा राजे ने ही खोली थी, जिसमें सांगानेर से पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का नाम था। उस समय वसुंधरा राजे की बॉडी लैंग्वेज को लेकर बहुत कुछ कहा गया। वसुंधरा राजे वर्ष 2003 से 2008 और वर्ष 2013 से 2018 तक राजस्थान की मुख्यमंत्री रही हैं। वर्ष 2014 में उनके मुख्यमंत्री रहते पार्टी ने राजस्थान की 25 की 25 सीटें जीती थीं। वर्ष 2018 में वसुंधरा राजे के नेतृत्व में पार्टी जरूर राजस्थान में विधानसभा चुनाव हार गई थी, लेकिन उसका प्रदर्शन बहुत खराब नहीं रहा था। हालांकि, वर्ष 2019 में एक बार फिर पार्टी ने राज्य की सभी 25 सीटें जीत ली थीं। निश्चित रूप से दोनों बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई चेहरा था। हालांकि, कुछ श्रेय वसुंधरा राजे को भी मिला। फिर धीरे से वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर राजस्थान की राजनीति से दूर करने की कवायद शुरू हुई। वसुंधरा राजे ने भी पार्टी में सक्रियता को लेकर अपना दायरा सीमित कर लिया। उनको पार्टी में खास तवज्जो नहीं मिल रही थी। यह बात साफ–साफ दिख भी रही थी। यही कारण था कि उन्होंने पार्टी के अधिकांश कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव परिणामों ने एक बार फिर वसुंधरा राजे को ऑक्सीजन दी है, क्योंकि पार्टी की राजस्थान की 25 में से 11 सीटों पर हार हुई। ऐसा माना गया कि यदि वसुंधरा राजे केवल अपने बेटे दुष्यंत सिंह की सीट झालावाड़–बारां तक स्वयं को सीमित नहीं रखतीं और प्रदेश भर में पार्टी के लिए प्रचार करतीं तो परिणाम अच्छे हो सकते थे। इन परिणामों को लेकर पार्टी में आत्ममंथन, आत्मचिंतन और आत्मावलोकन के दौर चल रहे हैं। हालांकि, अब तक कोई ठोस कारण निकल कर नहीं आया है। यह भी संभव है कि पार्टी किसी ठोस कारण पर स्वयं पहुंचना भी नहीं चाह रही है। फिर अपने तीसरे कार्यकाल में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताकत पहले जैसी नहीं है। अब जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वसुंधरा राजे के आवास पहुंचे हैं तो कोई न कोई संदेश या संकेत के साथ वहां गए होंगे। कारण जो भी हो, लेकिन वसुंधरा राजे की स्थिति राजस्थान में एक बार फिर मजबूत होती दिख रही है। बहुत संभव है कि भजनलाल सरकार के आने वाले दिनों में निर्णयों में वसुंधरा राजे की सहमति या सलाह हो। वसुंधरा राजे ने दो बार राजस्थान की कमान संभाली है। उनके अनुभव की इस समय राजस्थान को सख्त आवश्यकता है। विशेषकर अनुभवहीन भजनलाल शर्मा को। स्पष्ट दिख रहा है कि वसुंधरा राजे की और अधिक अनदेखी शायद अब मुश्किल है।

ब्रिटेन को फिर से महान होने का एहसास

ललित

लेबर पार्टी की जीत, जीती गई सीटों के मामले में प्रभावशाली है, लेकिन प्राप्त वोट शेयर के मामले में बहुत ज्यादा नहीं है, यह संकटग्रस्त ब्रिटेन के लिए उम्मीद की पहली किरण है। करीब एक दशक से ब्रिटेन को एक पूरी तरह से टाले जा सकने वाले जनमत संग्रह के परिणामों से निपटने के लिए मजबूर होना पड़ा है। कंजर्वेटिव पार्टी के चार प्रधानमंत्रियों – थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक – को डेविड कैमरन द्वारा छोड़ी गई गंदगी को साफ करने के लिए अपने नीरस कार्यकाल को समर्पित करना पड़ा। ब्रेक्सिट पर 2016 का जनमत संग्रह एक विस्तृत धोखा था, जिसे उजागर कर दिया गया। इसके बाद, ब्रिटेन भटक गया। अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, जिसे ऋषि सुनक जैसे वित्त विशेषज्ञ भी महत्वपूर्ण रूप से सुधार नहीं पाए, और देश के भीतर उभरते गहरे सामाजिक और राजनीतिक विभाजन को देखते हुए, देश को स्थिर करने और आगे बढ़ने के लिए सर कीर स्टारमर की ओर से काफी समझदारी और ऊर्जा की आवश्यकता होगी। श्री स्टारमर की प्रभावशाली जीत में कई कारक शामिल थे, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कारक एक घटती हुई शक्ति के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने में कंजर्वेटिव पार्टी की सरासर अक्षमता थी। 20वीं सदी के अंत तक, यूरोपीय संघ की सदस्यता ने ब्रिटेन को विश्व मामलों में वह प्रमुखता प्रदान की, जो न तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता, न ही परमाणु शक्ति की स्थिति और न ही राष्ट्रमंडल के नेतृत्व के कारण संभव हो पाई। जनता के मूड को पूरी तरह से गलत आंकने के एक कृत्य में, प्रधान मंत्री कैमरन ने एक ऐसा कदम उठाया जो हम्प्टी डम्प्टी को दीवार से धकेलने जैसा था। मार्गरेट थैचर और टोनी ब्लेयर द्वारा सफलतापूर्वक सवार किए गए उच्च घोड़े से ब्रिटेन का पतन, श्री ब्लेयर द्वारा सद्दाम हुसैन के सामूहिक विनाश के हथियारों के बारे में कल्पना के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश और अमेरिकी नियो–कॉन्स के लिए दूसरा स्थान निभाने के अवमाननापूर्ण निर्णय के बाद हुआ। इराक अभियान ने श्री ब्लेयर और ब्रिटेन के शीत युद्ध के बाद के स्थान को समाप्त कर दिया। एक विभाजित द्वीप ने बिगड़े हुए अमीर बच्चों के एक समूह में विश्वास जताया। उनकी पार्टी पिछले सप्ताह समाप्त हो गई। बोरिस जॉनसन द्वारा सबसे अच्छे प्रतीक के रूप में एक हकदार अभिजात वर्ग की अक्षमता से परेशान होकर, कंजर्वेटिवों ने आखिरकार एक स्मार्ट, अमीर भारतीय लड़के, ऋषि सुनक की ओर रुख किया, जिसने उन्हें बचाने के लिए अंग्रेजी गायों और भारतीय देवताओं से प्रार्थना की। ब्रिटेन को जिस चीज की जरूरत थी, वह पैसे के प्रबंधक की नहीं बल्कि लोगों के आदमी की थी। सर कीर स्टारमर इस बिल में फिट बैठते हैं। एक विशिष्ट लेबर पार्टी प्रकार – केंद्र से वामपंथी, उदार और साधारण लोगों के परिवार में जन्मे, श्री स्टारमर ने वादा किया कि वह ऐसे व्यक्ति होंगे जिनसे आम लोगों को उम्मीद है कि वे उन्हें अमीर लोगों द्वारा छोड़ी गई गंदगी से बाहर निकालेंगे। प्रधान मंत्री स्टारमर के लिए काम करना मुश्किल है। ब्रिटेन भले ही ब्रेक्सिट पर समय को वापस नहीं ला सकता है, लेकिन यह अभी भी अपने बूटस्ट्रैप्स द्वारा खुद को ऊपर खींच सकता है। ब्रिटेन में युवा लोग हैं, इसके पास दिमाग है, इसकी वैश्विक पहुंच है और इसमें अभी भी कुछ प्रभाव है। इसे बस एक राजनीतिक नेता की जरूरत थी जिस पर लोग भरोसा कर सकें और जिसके साथ सहज महसूस कर सकें। श्री स्टारमर में यह करने की क्षमता है। जबकि राजनीतिक वामपंथी और दक्षिणपंथी ब्रिटेन के राजनीतिक केंद्र के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं, लेबर पार्टी की जीत यूरोप के मध्यमार्गियों को उम्मीद देती है जो दक्षिणपंथी झुकाव की संभावना से घबरा रहे हैं। ब्रिटेन से यूरोप को संदेश यह है कि राजनीतिक नेतृत्व मायने रखता है। सामान्य समय में स्मार्ट प्रबंधक सरकार चला सकते हैं, लेकिन जब राजनीति विवादास्पद हो जाती है तो पार्टियों को राजनीतिक नेतृत्व की आवश्यकता होती है। यूरोप में मध्यमार्गी पार्टियां वर्तमान में अप्रभावी राजनीतिक नेताओं से भरी हुई हैं, जबकि दक्षिणपंथी पार्टियों के पास उग्र, यदि करिश्माई नहीं, तो नेता हैं। बेशक, श्री स्टारमर टेम्स को आग में झोंकने वाले व्यक्ति नहीं थे, लेकिन वे स्मार्ट ऋषि सुनक से कहीं अधिक करिश्माई हैं। निकट भविष्य में श्री स्टारमर का असली काम घर पर होगा। उन्हें रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी वित्त पर ध्यान केंद्रित करना होगा। दुनिया में ब्रिटेन की स्थिति के लिए, कई अन्य देशों की तरह, यह घर पर क्या करता है यह निर्धारित करेगा कि वह विदेशों में क्या कर सकता है। सबसे पहले, यह संभावना नहीं है कि ब्रिटेन ब्रेक्सिट पर समय को उलट सकता है। अमेरिका के साथ अपने तथाकथित विशेष संबंध के भविष्य का अंदाजा लगाने के लिए वह संयुक्त राज्य अमेरिका में चुनाव के नतीजों का इंतजार करेगा। चीन और रूस को संभालना एक बड़ी चिंता का विषय बना रहेगा। इसलिए, इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में, श्री स्टारमर से उनके कंजर्वेटिव पूर्ववर्तियों द्वारा निर्धारित मार्ग पर बने रहने की उम्मीद की जा सकती है। यानी, ऑस्ट्रेलिया– यूके –यूएस रक्षा गठबंधन की सदस्यता और जापान के साथ घनिष्ठ रणनीतिक साझेदारी। हालांकि, यूक्रेन पर, ब्रिटेन को अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। श्री सुनक ने यूक्रेन के लिए अपने समर्थन में अत्यधिक उत्साह दिखाया। हो सकता है कि उन्हें ब्रिटिश और अमेरिकी डीप स्टेट द्वारा ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया हो। नए जनादेश वाले एक राजनीतिक नेता के रूप में, श्री स्टारमर डीप और अन्य राज्य एजेंसियों द्वारा डाले गए दबाव से स्वतंत्र होकर एक राजनीतिक दृष्टिकोण अपना सकते हैं, और यह तय कर सकते हैं कि राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के समर्थन में ब्रिटेन किस हद तक जाएगा। श्री स्टारमर ने भारतीय वार्ताकारों को आश्वासन दिया है कि वह भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने की कोशिश करेंगे।

टैबलेट से छात्र छात्राऐ अर्जित करें तकनीकी जानकारी - राजीव कुमार सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सहकारी पीजी कॉलेज मिहरावा जौनपुर के तत्वावधान में बुधवार टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए महाविद्यालय प्रबंधक राजीव कुमार सिंह ने कहा कहा कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को तकनीकी ज्ञान में दक्ष करना है। तकनीकी ज्ञान में दक्ष युवा नए भारत का निर्माण कर सकता है स हम सबको तकनीकी ज्ञान के दौर मे इसका सदुपयोग करने की जरूरत है तभी हम सफलता अर्जित कर पाएंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को आज के समय में इस योजना का सकारात्मक लाभ लेने की जरूरत है । हम आशा करते हैं कि हमारा कॉलेज नित नये ऊंचाइयों को छूएगा।

आप तकनीकी ज्ञान में दक्ष होंगे तभी नए भारत के निर्माण के वाहक होंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ अरविंद सिंह ने कहा कि आप सभी इसकी अच्छाइयों को अपनाएंगे और ज्ञान की ज्योति जलाते हुए समाज को प्रकाशवान बनाएंगे और हमारा समाज एक तकनीकी ज्ञान में दक्ष समाज होगा। हम आशा करते हैं कि आने वाला कल आपका होगा। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डॉ राज बहादुर यादव ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवम कर्मचारी उपस्थित होकर छात्रो को टैबलेट वितरण करने में सहयोग किए।

अयोध्या में रेलवे का साफ्टवेयर बेचने वाले 2 अरेस्ट: चार साल से कर रहे थे अवैध टिकट का कारोबार'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या में RPF टीम ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर रेलवे का प्रतिबंधित गदर सॉफ्टवेयर बेचने एवं उपयोग कर रेलवे का तत्काल टिकट बेचने का आरोप है। आरोपियों के कब्जे से तत्काल टिकट व सॉफ्टवेयर बरामद किया गया है। अयोध्या धाम जंक्शन के आरपीएफ प्रभारी इंस्पेक्टर यशवंत सिंह के नेतृत्व में अरविन्द तिवारी व कॉन्स्टेबल गोविन्द ने सेमरी बाजार सुल्तानपुर से रेलवे का प्रतिबंधित गदर सॉफ्टवेयर बेचने व उपयोग करने के आरोप में प्रतीक कम्युनिकेशन के संचालक अभिषेक मिश्रा को गिरफ्तार किया। आरोपी IRCTC का एजेंट है। उसके कब्जे से 5200 रुपए का तत्काल टिकट व गदर सॉफ्टवेयर बरामद हुआ है। आरोपी का नाम पूर्व में आरपीएफ के हत्थे चढ़ा हैदरगंज बाजार निवासी पवन साहू ने नाम कबूला था। आरोपी रेलवे के अवैध टिकट के कारोबार में 40 साल से लिप्त बताया जा रहा है। अभी तक 7 लाख रुपए का तत्काल टिकट बनाने का आरोप है।वहीं दूसरी ओर आरपीएफ ने हैदरगंज बाजार में छापेमारी करके अर्जुन अग्रहरि को गिरफ्तार किया। अर्जुन किराना की दुकान पर टिकट बनाता था। कब्जे से 9200 रुपए का तत्काल टिकट बरामद हुआ है। आरपीएफ इंस्पेक्टर यशवंत सिंह ने बताया–आरोपियों के निशान देही पर सॉफ्टवेयर इस्तेमाल करने वाले अन्य लोगों की तलाश की चल रही है, साथ ही दोनों आरोपियों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजी कृत कर जेल भेज दिया गया है।

'अयोध्या डाक मण्डल उत्तर प्रदेश में डाक जीवन बीमा प्रथम एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा में दूसरा स्थान'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। मण्डल डाकघर कार्यालय में अयोध्या मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर हरे कृष्ण यादव ने अपने मातहतों के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान अर्जित करने पर डाक जीवन बीमा का केक काटकर जश्न मनाया। जिसके लिए प्रदेश के चीफ पोस्टमास्टर जनरल बी सेल्वाकुमार ने श्री यादव को स्मृति चिन्ह भेंट कर लखनऊ में समारोह पूर्वक सम्मानित किया है ।अयोध्या मण्डल ने डाक जीवन बीमा आम जनमानस में लोकप्रिय होने के कारण सर्वाधिक बीमा प्रीमियम राशि जमा कराया। साथ ही यह भी बताते चले कि उत्तर प्रदेश में अयोध्या मण्डल ने डाक जीवन बीमा में प्रथम तथा ग्रामीण डाक जीवन बीमा में दूसरा स्थान अर्जित किया है। इस अवसर पर श्री यादव ने कहा कि आज प्रदेश में अयोध्या मण्डल ने लगातार दुसरे वर्ष भी सर्वाधिक व्यवसाय देकर सर्वोच्च स्थान अर्जित करने में सफलता पायी है इसके लिए मण्डल के एक एक कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए बधाई। और कहा कि डाकघर गरीब अमीर सभी वर्ग के साथ एक सामान व्यवहार करता है डाकघर के बचत खाते में छोटी छोटी रकम जमा करके अधिक धन एकत्र किया जा सकता है डाकघर की सभी योजनाएं जनता के लिए लाभकारी हैं ।डाक जीवन बीमा सभी बीमा कम्पनियों से सस्ता एवं फायदेमंद है इसे आमजन को अपनाने की भी अपील किया। इसके साथ ही श्री यादव ने इस वित्तीय वर्ष की योजना को अमली जामा पहनाते हुए कहा कि आज से हमारे कर्मचारी अपने अपने क्षेत्र को सूचीबद्ध करके जनता से जुड़े और उनको बेहतर सुविधा प्रदान कर। श्री यादव ने यह भी कहा कि आज प्रतिस्पर्धाओ का दौर है हमें जनता से परिवार जैसे व्यवहार के साथ मिलना होगा जिससे लोगो का विस्वास डाकघर के प्रति बना रहे क्योंकि डाकघर ही ऐसा पहला विभाग जहाँ घर शब्द का प्रयोग किया जाता है औ घरों में परिवार के सदस्य रहते है। इस दौरान परिवाद निरीक्षक राजेश्वर दूबे, मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह, विकास अधिकारी चंद्रेश वर्मा, धीरेंद्र दूबे, राघवेन्द्र सिंह, प्रियंका जायसवाल, अनामिका, अर्चना यादव ,चाँदनी वर्मा सहित दर्जनों मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने सहकारिता विभाग को अभियान से जोड़ा

मृत्युंजय प्रताप सिंह

जिला सहकारी बैंक लि० लखनऊ के सभापति श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा भारत के यशस्वी मा० प्रधानमंत्री जी के एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के अन्तर्गत जनपद–लखनऊ में सहकारिता विभाग के सभी जिला स्तरीय संस्थायें बी–पैक्स, सहकारी संघ, कय विक्रय समिति के सभी कर्मचारियों ध अधिकारियों की ओर से गूगल मीट के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम ष्एक पेड़ माँ के नामष की अध्यक्षता की गयी। सभापति द्वारा विगत दिनों में विश्व में ग्लोवल वार्मिम के कारण हुए भीषण गर्मी से सामान्य जन हानि के कारणों पर प्रकाश डालते हुए पेड़ पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मा० मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा पर्यावरण सरक्षण के लिए पौध रोपण हेतु लिये गये संकल्प के कम में प्रदेश के मा० सहकारिता मंत्री, श्री जे०पी०एस० राठौर जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग जनपद–लखनऊ को दिये गये 5600 पेड़ पौधे लगाने के लक्ष्य से दोगुना पेड़ पौधे लगाने के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लिया गया। श्री सिंह द्वारा सहकारिता विभाग के सभी अधिकारियों ध कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए यह कहाँ गया कि यह मा० प्रधानमंत्री जी की यह पहल देशभर के लिये एक मिशाल है। ऐसे प्रयास से पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाया जा सकता है। श्री सिंह ने कहा कि मा० मोदी जी की प्रेरणा सदैव देश के लिए सामुहिक संकल्प बनकर जन सहभागिता के माध्यम से इतिहास रचती रही है। स्वच्छता अभियान से देश की तसवीर बदलने से लेकर कोरोना को पराजित करने तक देश ने मा० मोदी जी के आवाहन पर विश्व के सामने मिशाल पेश की है। निश्चित ही मा० प्रधानमंत्री जी एवं प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री श्री योगी जी एवं सहकारिता विभाग के मंत्री श्री राठौर जी के कुशल नेतृत्व में ष्एक पेड़ मॉ के नामष अभियान भी देश में पर्यावरण संरक्षण के पवित्र भाव को मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबन्धक, सहकारिता, लखनऊ मण्डल, लखनऊ श्री दीपक सिंह एवं जनपद के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, श्री अभय नरायण सिंह की उपस्थिति में श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा बी–पैक्स भौदरी, माल, बी०के०टी० एवं इटौंजा वृक्षारोपण हेतु जगह चिन्हित की गयी। इस कार्यक्रम के दौरान बैंक के सभी कर्मचारीध्अधिकारी, बी–पैक्स, सहकारी संघ, कय विक्रय के सभी सचिव एवं मा० अध्यक्ष की उपस्थिति के साथ–साथ बैंक प्रबन्धा कमेटी के संचालक श्री देशपाल सिंह, श्री दिनेश प्रताप सिंह, श्री जयवीर सिंह एवं श्री बृजेन्द्र कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। इस दौरान बी–पैक्स के सभी सचिवों द्वारा बड़ी संख्या में अपनी–अपनी पैक्स में पौध रोपण कर ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान में योगदान दिया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री कुलदीप चौधरी द्वारा किया गया।

नारी शक्ति द्वारा संचालित अमेरिकन वोफल्स(आशियाना स्थित) का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नारी शक्ति द्वारा संचालित अमेरिकन वोफल्स (आशियाना स्थित) का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेविका जानकी देवी द्वारा किया गया। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण की ओर एक बढ़ता कदम बताया।

समाज सेवी सीमा दीक्षित, साक्षी, छाया, ओम सिंह, श्रद्धा सक्सेना, सरिता सिंह, ज्योति, नम्रता , नितेश श्रीवास्तव, हितेश श्रीवास्तव,अंकित श्रीवास्तव,सईद जिया अल्वी,संजय मल्होत्रा, आशुतोष श्रीवास्तव,अधविक समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। डॉ श्वेता श्रीवास्तव एवं डॉ बाला जी ने मुख्य अतिथि द्वारा किए गए शुभारंभ को आशीर्वाद कहा और आभार व्यक्त किया जरूरत मंद महिलाओं की मदद के संकल्प के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

रोजगार मेले का आयोजन 12 जुलाई को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर निकट नारायण नर्सिंग होम जौनपुर में 12 जुलाई 2024 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की लगभग 07 कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना प्रस्तावित है। जिसकी शैक्षिक योग्यताः–हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें।

जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकान्त सरोज ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई0डी0प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करें। सेवायोजन वेब पोर्टल के माध्यम से भी पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

द्वितीय जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता 21 जुलाई को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। योगासन स्पोर्ट्स एलाइंस एसोसिएशन के तत्वाधान में 21 जुलाई को नगर के शिया डिग्री कॉलेज में जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्ग के 8 वर्ष से 21 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में ट्रेडिशनल इवेंट, आर्टिस्टिक सोलो ,आर्टिस्टिक पेयर ,रिडमिक पेयर, फ्री फ्लो आदि वर्ग सम्मिलित किए जाएंगे।

जानकारी देते हुए योगासन स्पोर्ट्स एलाइंस संगठन की जिला अध्यक्ष व ऋषि योग केंद्र की संचालिका रजनी साहू ने बताया कि जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता की विजय खिलाड़ी अगस्त माह में होने वाली राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में भाग लेंगे । साथ ही राज्य स्तरीय विजेता अक्टूबर महीने में आयोजित होने वाली नेशनल योगासन प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले लोग मुझे मेरे नंबर 8604714830 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों को स्वरोजगार युक्त बनाये जाने हेतु सामूहिक प्रशिक्षण दिया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने अवगत कराया है कि वर्ष 2024–25 में अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों को स्वरोजगार युक्त बनाये जाने हेतु सामूहिक प्रशिक्षण दिया जाना है। इस योजना के अन्तर्गत 04 माह का (37 अभ्यर्थियो) को प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिसमे एक माह का सैद्वान्तिक एवं 03 माह का व्यवहारिक प्रशिक्षण होगा। अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान रू0 1250.00 प्रतिमाह अभ्यार्थियों को मानदेय के रूप में दिया जायेगा।

अतः इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र www.dipmsme.upsidc.gov.in पोर्टल पर आन–लाइन आवेदन 25 जुलाई 2024 तक कर सकते।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा पुलिस कर्मी के आश्रित परिजन को पुलिस सैलरी पैकेज के अन्तर्गत चेक प्रदान किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा सड़क दुर्घटना में मृत मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस मोहम्मद इमामुलहक के शोक संतप्त आश्रित परिजन को स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, पुलिस सैलरी पैकेज के दावे की धनराशि के रूप में 75 लाख रूपये का चेक प्रदान किया गया। उक्त मृत मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस मोहम्मद इमामुलहक पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ से विशेष सुरक्षा ड्यूटी हेतु उ०प्र० पुलिस मुख्यालय में कार्यरत थे, जो जनपद गाजीपुर, मोहम्मदाबाद के रहने वाले थे, जिनकी सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी थी।

इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के जनरल मैनेजर, डिप्टी जनरल मैनेजर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सदर विधायक व डीएम ने कलेक्ट्रेट सभागार में नव चयनित लेखपालों को नियुक्तिपत्र किया वितरित

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। बुधवार को कलेक्ट सभागार में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में प्रदेश के नव चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया।इस कार्यक्रम में जनपद अयोध्या से नव चयनित 103 लेखपालों में 50 नव चयनित लेखपालों को भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया तथा जनपद के शेष नव के साथ निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व विभाग प्रशासन की रीढ़ है और लेखपाल राजस्व विभाग की रीढ़ होता है। सभी लाभार्थीपरक योजनाओं का लेखपाल और ग्राम पंचायत सचिव रीढ़ होते हैं। सभी योजनाओं में लेखपालों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है,लेखपाल का कार्य जमीनी स्तर का कार्य है, जिसे सभी लेखपाल बेहतर ढंग से पूर्ण मनोयोग एवं निष्ठा के साथ करें। सभी लाभार्थी करने के साथ ही ऐसे पात्र व्यक्ति जिन्होंने आवेदन नहीं किया हो अथवा उन्हें योजना की जानकारी नहीं है को योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें उनकी पात्रता श्रेणी में आने वाले योजनाओं से लाभान्वित कराएं। इससे आप अधिक से अधिक जरूरतमंद अर्थात गरीब की मदद कर पाएंगे यही जीवन की सातर्कता है। जिलाधिकारी ने प्रत्येक लेखपाल एवं कर्मचारी को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर सदुपयोग करने तथा जो व्यक्तिध्कर्मचारीध्अधिकारी

चयनित लेखपालों को नगर विधायक अयोध्या वेद गुप्ता व जिलाधिकारी नीतीश कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।इस अवसर पर नगर विधायक वेद गुप्ता व जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने नव चयनित लेखपालों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपने दायित्वो का पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी प्रकार योजनाओं की अच्छी जानकारी रखें,

इस हेतु योजनाओं को पढ़े और प्रत्येक लाभार्थीपरक योजना के पात्रता की शर्तोंध्योग्यता व आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी रखें। विभिन्न योजनाओं में प्राप्त आवेदनकर्ताओं के आवेदनों का नियमानुसार का ससमय निराकरण अच्छा कार्य कर रहा है से सीखने को कहा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल, उप जिलाधिकारी सदर राजकुमार पांडेय, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार वर्मा, तहसीलदार सोहावल विनोद कुमार चौधरी सहित नव चयनित लेखपाल उपस्थित है।

भुल्लनपुर पीएसी में 28 वीं पीएसी पूर्वी जोन अंतर वाहिनी फुटबाल प्रतियोगिता–2024 का हुआ शुभारंभ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी की मेजबानी में बुधवार को 28वीं पीएसी पूर्वी जोन अंतर

वाहिनी फुटबाल प्रतियोगिता–2024 का शुभारंभ हुआ।इसका आयोजन समिति के सचिव,पंकज कुमार पांडेय, सेनानायक, 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी द्वारा 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर वाराणसी परिसर के फुटबॉल ग्राउंड में किया गया।इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पीएसी पूर्वी जोन की विभिन्न 10 वाहिनियों से (4वीं वाहिनी, 12वीं, 20वीं, 33वीं, 34वीं, 36वीं, 37वीं, 39वीं, 42वीं तथा 48वीं वाहिनी) से कुल 180 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।पीएसी अंतर वाहिनी के विभिन्न श्टीम मैनेजर्सश से मुख्य अतिथि द्वारा परिचय प्राप्त किया गया।समस्त टीमों की ग्राउण्ड से श्मार्च पास्टश की कार्यवाही बैण्ड की मधुर धुन पर सभी टीमों द्वारा उत्कृष्ट श्टर्नआउटश के साथ संपन्न हुई। टीमों के श्मार्च पास्टश द्वारा दिये गये अभिवादन को मुख्य अतिथिध्आयोजन सचिव पंकज पाण्डेय द्वारा सलामी मंच से स्वीकार किया गया। प्रतिभागियों के इस अच्छे प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात आयोजन सचिव द्वारा सलामी मंच से इस प्रतियोगिता के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की गयी।अन्तरवाहिनी फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम मैच 34 वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर व 20 वीं वाहिनी पीएसी आजमगढ़ के बीच खेला गया।जिसमें 34 वीं वाहिनी ने 03 गोल करते हुए 3–0 से आजमगढ़ को शिकस्त दी तथा द्वितीय मैच 37वीं वाहिनी कानपुर व 42वीं वाहिनी नैनी प्रयागराज के बीच हुई जिसमें 42वीं वाहिनी ने 1–0 से कानपुर को शिकस्त दी।

कार्यक्रम के दौरान नरेश सिंह यादव सहायक सेनानायक, अजय प्रताप सिंह, शिविर पाल, मुन्नीलाल सूबेदार मेजर, सीसी ब्रजेश राय, बदन यादव व वाहिनी के अन्य अधिकारी/कर्मचारी एवम् बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व आमंत्रित अतिथिगण उपस्थित रहे।

पूर्व पार्षद की पत्नी की आत्महत्या में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी जिले के गढ़वासी टोला के पूर्व पार्षद दिलीप यादव की पत्नी संध्या वर्मा (45) की आत्महत्या के मामले में पति सहित पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर कोतवाली राजीव कुमार सिंह ने बताया कि आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुर्गी गली, चौक निवासी दिलीप को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, समूह के माध्यम से पैसा देने का काम करने वाले अरविंद, सुरेश, आरोहन और अनुज की पुलिस तलाश कर रही है।

यह है पूरा मामला

दुग्धविनायक स्थित मायके में रहने वाली संध्या वर्मा की दूसरी शादी दिलीप यादव से हुई थी। पहले पति से संध्या की एक बेटी है। संध्या बेटी के साथ मायके में रहती थी और दिलीप भी वहीं रहता था। संध्या के भाई विशाल वर्मा ने पुलिस को बताया कि रविवार को उनकी बहन ने अपने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी थी। कहा कि दिलीप हमारी बहन का किसी भी तरह से सहयोग नहीं करता था। संध्या को दिलीप न खर्चा देता था और न बेटी की पढ़ाई की फीस देता था। इस वजह से संध्या बहुत परेशान रहती थी। विशाल ने बताया कि संध्या एक समूह से जुड़ कर काम करती थी। संध्या से कुछ महिलाओं ने समूह का पैसा लिया था और उसे वापस नहीं लौटा रही थीं। इसके चलते समूह वाले संध्या के साथ आए दिन गालीगलौज कर उसे घर से उठा ले जाने की धमकी देते थे। पति की उपेक्षा और समूह के लोगों की धमकी व गालीगलौज से आजिज आकर उनकी बहन ने फंदा लगाकर जान दे दी।

पीसीएस जे की कापियां बदलने पर आयोग अध्यक्ष ने हाईकोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

प्रयागराज, संवाददाता। पीसीएस–जे की मुख्य परीक्षा–2022 में 50 अभ्यर्थियों की कॉपियां बदलने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के अध्यक्ष संजय श्रीनेत ने व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल किया। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक हलफनामे और सीलबंद लिफाफे के तथ्यों को सार्वजनिक करने पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई 12 जुलाई को होगी। अभ्यर्थी श्रवण पांडेय की याचिका पर न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह व न्यायमूर्ति डी रमेश की खंडपीठ के समक्ष आधे घंटे चली बहस के दौरान आयोग के अधिवक्ता निशीथ यादव ने यूपीपीएससी अध्यक्ष के व्यक्तिगत हलफनामे के साथ अदालत की ओर से मांगे गए दस्तावेज सीलबंद लिफाफे में पेश किए। कोर्ट ने इनके तथ्यों को सार्वजनिक नहीं करने के निर्देश दिए।

याची की मांग... आयोग की कार्रवाई संतोषजनक नहीं, कोर्ट कराए जांच

याची के अधिवक्ता एसएफए नकवी ने कहा कि अदालत से आयोग की परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता सवालों के घेरे में है। गड़बड़ियों के खुलासे के बाद अब तक की आयोग की कार्रवाई से पीड़ित अभ्यर्थी संतुष्ट नहीं है। कहा, इतने बड़े मामले की जांच अदालत स्वतरू संज्ञान लेकर करे, क्योंकि इससे बड़ी संख्या में छात्र प्रभावित हैं। तमाम कारणों से वे याचिका नहीं दाखिल कर पा रहे हैं।

ससुरालियों की पिटाई से आहत युवक ने दे दी जान

बांदा, संवाददाता। मायके में रह रही पत्नी तीन बच्चों को छोड़कर किसी के साथ चली गई। पति जब ससुराल पहुंचा तो उसे जानकारी हुई। उसने ससुरालियों से पूछा तो उसकी पिटाई कर दी। उसने फोन पर भाइयों को घटना की जानकारी दी और अपने घर आ गया। यहां साड़ी से फंदा लगाकर जान दे दी। कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर निवासी मनोज सोनकर (28) ने सोमवार की सुबह घर में साड़ी का फंदा लगा लिया। दोपहर 12 बजे करीब छोटा भाई छोटू बहन के घर से आया तो उसने दरवाजा खटखटाया। जवाब नहीं मिलने पर पड़ोसियों को बुलाकर दरवाजा खुलवाया तो अंदर मनोज का शव फंदे से लटका मिला। छोटू ने बताया कि मनोज की शादी आठ साल पहले मध्य प्रदेश के पन्ना जिले की बसंती के साथ हुई थी। मनोज ट्रक ड्राइवर था। दो दिन पूर्व वह घर आया था। रविवार की सुबह ससुराल पन्ना गया था। वहां उसे जानकारी हुई कि उसकी पत्नी तीन माह पूर्व किसी युवक के साथ चली गई है। तीनों बच्चों को अपने मायके में छोड़ गई है। छोटू का आरोप है कि इस बात को लेकर उसकी साले व सास से कहासुनी और फिर मारपीट हो गई। उसने फोन से उन्हें घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद वह रात में अपने घर वापस आ गया। यहां सुबह उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। मनोज तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। छोटे भाई छोटू व रोहित वाराणसी में रहकर मजदूरी करते हैं। छोटू ने बताया कि वह तीन दिन पूर्व वाराणसी से घर आया है। मृतक के दो नाबालिग पुत्र देव व गोलू के अलावा पुत्री दिव्या है। जो अपने ननिहाल मे रहती हैं। छोटे भाई छोटू ने सास और साले पर आरोप लगाते हुए बताया है कि मारपीट कर उत्पीड़न किया गया है, इसी के चलते उसने आत्महत्या की है। कोतवाली प्रभारी सुरेश कुमार सैनी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

केबल ऑपरेटर की मौत के मामले मे दोषी को सात साल की कैद, 50 हजार का जुर्माना भी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में डिश केबल के किराये को लेकर हुई मारपीट में केबल ऑपरेटर की गैर इरादतन हत्या के मुकदमे में अपर जिला जज सप्तम आजाद सिंह ने दोषी को सात साल कैद की सजा सुनाई है। उस पर 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। विवेचना में खामियों पर कोर्ट ने विवेचक रघुवीर सिंह के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस कमिश्नर को आदेश की प्रति भी भेजी है। डिश केबल का काम करने वाले हरजेंद्रनगर निवासी प्रताप सिंह चार सितंबर 2002 की दोपहर अपने भतीजे जसविंदर सिंह के साथ केबल का किराया वसूलने मोहल्ले के सुभाष बिंद्रा के घर गए थे। किराये के रुपयों को लेकर झगड़ा हो गया, जिसमें जसविंदर की मौत हो गई थी। प्रताप ने चकेरी थाने में सुभाष

बिंद्रा, उसकी पत्नी शशि, भाई विनय कुमार बिंद्रा उर्फ बाड़े और मां रामकली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शनिवार को कोर्ट ने शशि व विनय को बरी कर दिया था, जबकि सुभाष को गैर इरादतन हत्या का दोषी मानकर जेल भेज दिया था। आरोपी की मां रामकली की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। एडीजीसी विनोद त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार को सजा पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने 73 वर्षीय सुभाष को उसकी उम्र और बीमारियों के आधार पर सजा में रहम बरतते हुए सात साल कैद की सजा सुनाई है।

पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से काटकर उतारा मौत के घाट

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के कंकरखेड़ा में मंगलवार को दिन निकलते ही विवाद के चलते पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस घटनास्थल की ओर दौड़ी। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के हाईवे स्थित लाला मोहम्मदपुर गांव निवासी मौसम पुत्र हाशम मजदूरी करता है। मौसम की शादी लगभग 10 वर्ष पूर्व फरजाना से हुई थी। शादी के बाद दोनों के छह बच्चे हुए। पुलिस के अनुसार दंपती में काफी समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। जिसको लेकर पूर्व में भी दंपति में कई बार झगड़ा हो चुके थे। मंगलवार सुबह भी किसी बात को लेकर पति–पत्नी में विवाद हो गया। आरोपी पति ने महिला के सिर पर कुल्हाड़ी से कई वार कर दिए। कुल्हाड़ी के हमले में महिला लहूलुहान होकर फर्श पर गिर गई। महिला की आवाज सुनकर बच्चे बाहर की तरफ दौड़े। जहां उन्होंने देखा कि महिला खून से लथपथ फर्श पर पड़ी हुई है। बच्चों का शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं आरोपी पति घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया।

पीआरपी के इस्तेमाल में जीएसवीएम प्रदेश में अव्वल

कानपुर, संवाददाता। जिन रोगों में दवाएं कारगर नहीं, उनमें रोगी का खून ही इलाज बन जा रहा है। खून के प्लाज्मा में पाए जाने वाले तत्व रोग को दूर कर रहे हैं। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज प्लाज्मा रिच प्लेटलेट्स (पीआरपी) के इस्तेमाल में अव्वल है। अभी नेत्र रोगों और अस्थि रोगों में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। कॉलेज की मल्टी डिस्प्लनरी यूनिट में पीआरपी के इस्तेमाल के संबंध में और शोध किए जाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि रोगी के खुद के शरीर के खून के तत्वों से किसी प्रकार के दुष्प्रभावों और प्रतिक्रिया का खतरा नहीं रहता है। रोगी के खून के प्लाज्मा से इलाज सबसे अधिक नेत्र रोग विभाग में हो रहा है। ड्राई आई, सीमेन जॉनसन सिंड्रोम, सेंसिगस और केमिकल इंजरी के इलाज में इसका आमतौर पर इलाज किया जा रहा है। नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. शालिनी मोहन का कहना है कि इन चार रोगों के अलावा दुर्लभ बीमारियों के इक्का–दुक्का रोगी आ रहे हैं। उनमें भी पीआरपी का इस्तेमाल करते हैं। इन रोगों में दवाएं अधिक कारगर नहीं होतीं। रोगी को पीआरपी के इस्तेमाल से अधिक फायदा होता है। प्लाज्मा में पाए जाने वाले ग्रोथ फैक्टर इसमें अच्छा काम करते हैं। यह थेरेपी सुरक्षित भी है। इसी तरह अस्थि रोग विभाग के विशेषज्ञ गठिया, घुटने के अंदर घिसने और पैर की एड़ी के टेंडन टूटने में इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इन रोगों में भी दवाएं बहुत कारगर काम नहीं करतीं।

पीआरपी और स्टेम सेल का लाभ लिया जा सकेगा

खून के ग्रोथ फैक्टर अंग की बीमार कोशिकाओं को स्वस्थ कर देते हैं और रोगी की समस्या दूर हो जाती है। अस्थि रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. रोहित नाथ का कहना है कि इन रोगों में भी खून के ग्रोथ फैक्टर से लाभ मिलता है। इसके साथ ही घुटने में प्लाज्मा की चिकनाई राहत देती है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला का कहना है कि एमआरयू में नए उपकरण आ रहे हैं। इससे कोशिका स्तर पर शोध करने में आसानी होगी। इससे और भी रोगों में पीआरपी और स्टेम सेल का लाभ लिया जा सकेगा।

स्टेम सेल का दायरा भी बढ़ाया जा रहा

पीआरपी के अलावा रोगी के शरीर से स्टेम सेल निकालकर रोगों के इलाज का दायरा बढ़ाया जा रहा है। अभी तक न्यूरो संबंधी बीमारियों, डायबिटीज आदि में स्टेम सेल का इस्तेमाल किया गया है। इससे रोगी को अपेक्षित फायदा मिला है। इसके अलावा रीढ़ की चोट में भी इसका इस्तेमाल किया गया। अभी सवा दो सौ रोगियों को स्टेम सेल थेरेपी दी गई है। प्राचार्य डॉ. संजय काला का कहना है कि स्टेम सेल बैंक बनने के बाद और आसानी होगी। अभी रोगी की बोन मैरो से स्टेम सेल ली जाती है। इसके बाद नवजात की नाड़ की स्टेम सेल का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

नशे में धुत कार सवार ने महिला को कुचला

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के रावतपुर थानाक्षेत्र में रविवार देर रात घर के बाहर फुटपाथ पर खड़ी महिला को नशे में धुत कार सवार ने कुचल दिया। हादसे के बाद मौके से भाग रहे चालक को स्थानीय लोगों ने दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया, लेकिन वह मौका पाकर भाग निकला। उधर, परिजनों ने गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सोमवार को उसने दम तोड़ दिया। नाराज परिजनों ने सोमवार को भूतेश्वर मंदिर चौराहे पर मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा काटा। रावतपुर के भूतेश्वर मंदिर के पास रहने वाले सोनू पासवान की पत्नी मीना पासवान (33) रविवार रात करीब आठ बजे घर के बाहर फुटपाथ पर खड़ी थीं। तभी स्कॉट वर्ल्ड स्कूल की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया। लोगों ने कार चालक सुधीर सिंह को पकड़कर पुलिस को सौंपा, लेकिन वह भाग निकला। परिजनों ने सोमवार को आरोपी की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। पति का कहना था कि वह पिछले दो वर्ष से बीमार चल रहे हैं। पत्नी घरों में चौका बर्तन कर उनका इलाज व बच्चों अरुण, अनुष्का, दिव्यांशी का पेट पाल रही थी। आरोप लगाया कि हादसे के बाद कार नंबर के आधार पर उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की।

सैलून में छापा पड़ते ही मचा हड़कंप, युवतियों के फोटो दिखाकर जिस्मफरोशी का आरोप

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के पुरानी मोहनपुरी स्थित गैलेक्सी यूनिसेक्स सैलून में जिस्मफरोशी की शिकायत पर सीओ के नेतृत्व में सिविल लाइन पुलिस ने सोमवार शाम छापा मारा। सैलून की महिला संचालिका और मैनेजर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सैलून को बंद कराकर एसीएम को रिपोर्ट दे दी गई है। स्थानीय पार्षद और लोगों ने हंगामा करते हुए सैलून में आठ सौ रुपये में जिस्मफरोशी कराए जाने की शिकायत की थी। आरोप लगाया था कि लोगों को महिलाओं के फोटो दिखाकर गंदा काम कराया जा रहा है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पुरानी मोहनपुरी में गैलेक्सी यूनिसेक्स सैलून है। सैलून के बाहर भाजपा पार्षद उत्तम सैनी के नेतृत्व में आसपास के लोगों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सैलून में स्पा सेंटर के नाम पर गलत काम कराया जा रहा है। लोगों को लड़कियों के फोटो दिखाकर जिस्मफरोशी कराई जा रही है। उत्तम सैनी ने पुलिस को बताया कि उसने एक युवक को सैलून में स्टिंग के लिए भेजा था। उसको सात–आठ लड़कियों के फोटो दिखाए गए। कहा कि आठ सौ रुपये में आपको इनमें से कोई भी लड़की मिल जाएगी। इसके बाद सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी ने थाना पुलिस के साथ छापा मारा। लोगों ने बताया कि पुलिस के आने से पहले कई लड़कियां सैलून से निकलकर चली गईं। पुलिस सैलून संचालिका महिला और मैनेजर को पकड़कर सिविल लाइन थाने ले गई। परिजनों को बुलाकर महिला को उसके सुपुर्द कर दिया। मैनेजर को हिरासत में लेकर पुलिस ने सैलून को बंद करा दिया है। सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी का कहना है कि सैलून किराए पर है या इनकी अपनी प्रॉपर्टी है। कालोनी के लोगों से बात की रही है। एसीएम को रिपोर्ट भेज दी गई।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में शिक्षकों का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

शामली, संवाददाता। परिषदीय स्कूलों में ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में शिक्षकों ने कलक्ट्रेट में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही स्कूलों में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और हाजिरी भी नहीं लगाई। प्रदर्शन के बाद शिक्षकों ने डीएम और विधायक प्रसन्न चौधरी को भी ज्ञापन सौंपा। राज्य परियोजना निदेशक ने सोमवार से सभी परिषदीय स्कूलों में ऑनलाइन हाजिरी लगाने के निर्देश दिए थे। ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में काफी संख्या में जिलेभर के शिक्षक कलक्ट्रेट पर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष नितिन कुमार ने बताया कि अन्य विभागों की भांति आकस्मिक अवकाश की श्रेणी में शिक्षकों को भी हाफ डे लीव अवकाश, राज्य कर्मचारियों की भांति 30 ई एल देने, मौसम और परिस्थिति के अनुसार ऑनलाइन हाजिरी में शिथिलता प्रदान करने के साथ ही अन्य मांगों को पूरा होने पर ही ऑनलाइन हाजिरी शुरू करेंगे। कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग के लिए जारी किया गया ऑनलाइन उपस्थिति का यह आदेश काला कानून है। शिक्षक इसे कदापि स्वीकार नहीं करेगा। बिना संगठनों से बैठक के लागू किए गए इस काले कानून का राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ पूरी तरह से विरोध करता है। शिक्षकों ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों की धरातल पर स्थितियों को देखते हुए डिजिटल उपस्थिति का आदेश निराश करने वाला है। इस दौरान अमित खैवाल, आदित्य कुमार, रजत देशवाल, खलील अहमद, राज सिंह पुंडीर, गौरव कालखंडे, पुष्पेंद्र कुमार, सूरज प्रताप सिंह, विकास वर्मा आदि मौजूद रहे।

अध्यापकों ने काली पट्टी बांधकर किया शिक्षण कार्य

सोमवार को स्कूलों में पहुंचकर पड़ताल की गई तो अधिकतर स्कूलों में किसी भी शिक्षक व प्रधानाध्यापक ने दिए गए टैबलेट पर कोई ऑनलाइन हाजिरी दर्ज नहीं कराई गई। वहीं शिक्षकों ने विरोध जताते हुए काली पट्टी बांधकर कार्य करते नजर आए। 15 से 20 स्कूलों की पड़ताल में केवल उच्च प्राथमिक विद्यालय गोहरनी में प्रधानाध्यापक राजीव कुमार के द्वारा स्कूल के पूरे स्टाफ व छात्र–छात्राओं की ऑनलाइन हाजिरी लगवाई हुई पाई गई। उच्च प्राथमिक स्कूल आदमपुर, कुरमाली, कुड़ाना में भी शिक्षकों ने ऑनलाइन हाजिरी का विरोध किया। ऑनलाइन हाजिरी बंद कराने की मांग की। इनके अलावा लिलौन, माजरा रोड पर स्कूलों में भी शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध किया। ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर डीएम के साथ बैठक की जाएगी। वहीं शिक्षक संगठनों से वार्ता की जाएगी। शासन का निर्देश है शिक्षकों को हाजिरी जरूर लगानी पड़ेगी। स्कूलों में पहुंचकर ऑनलाइन हाजिरी शुरू कराई जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, डेंगू मरीजों के लिए 115 बेड किए आरक्षित

सहारनपुर, संवाददाता। डेंगू से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पहले ही अलर्ट हो गया है। एसबीडी जिला अस्पताल से लेकर सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डेंगू मरीजों के लिए 115 बेड आरक्षित कर दिए हैं। जरूरत पड़ने पर बेड की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी। बरसात के मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है। लार्वा भी पनपने लगा है, जो आने वाले दिनों में खतरा बन सकता है। फिलहाल राहत वाली बात यह है कि अभी डेंगू का कोई मामला नहीं मिला है। वहीं, हर बार की तरह इस बार भी स्वास्थ्य विभाग ने विभागों से आपसी तालमेल शुरू कर दिया है, जिससे डेंगू से पहले सभी तैयारियां की जा सकें। एसबीडी जिला अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए दस बेड का वार्ड आरक्षित कर दिया है। इसके अलावा फतेहपुर, देवबंद, सरसावा, नानौता, नागल, गंगोह, रामपुर मनिहारान, गंगोह, बेहट, साढ़ौली कदीम, पुवांरका आदि 21 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पांच–पांच बेड आरक्षित किए गए हैं। इन दिनों चल रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मी लोगों को डेंगू से बचाव की जानकारी देने के साथ–साथ साफ–सफाई के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

तमाम कोशिशों के बावजूद जिले में डेंगू का प्रकोप कम नहीं हो रहा है। डेंगू में प्लेटलेट्स तेजी से गिरती है। पिछले साल डेंगू के 438 मामले मिले थे। लोग साफ–सफाई को लेकर जागरूक रहेंगे तो काफी हद तक डेंगू से बच सकेंगे।

वार्ड में रखवा दी गई दवा

एसबीडी जिला अस्पताल के कार्यवाहक प्रमुख अधीक्षक डॉ. रामानंद ने बताया कि डेंगू मरीजों के लिए मेडिकल वार्ड के पास दस बेड का डेंगू वार्ड आरक्षित कर दिया है। इसमें हर बेड पर मच्छरदानी लगा दी गई। साथ ही दवाइयों को भी रखवा दिया है। डेंगू को लेकर विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डेंगू मरीजों के लिए अलग वार्ड बना दिए हैं। इनमें 115 बेड आरक्षित हैं। जरूरत पड़ने पर बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी।

अनियंत्रित हुई बस ने सात को रौंदा

हरदोई, संवाददाता। हरदोई जिले में उन्नाव जा रही प्राइवेट बस बिल्हौर–कटरा मार्ग पर शेखवापुर पश्चिमी के पास अनियंत्रित हो गई। स्टेयरिंग फेल होने के कारण बस ने सड़क किनारे चारपाई पर बैठे सात लोगों को रौंद दिया। जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। वहीं, बस में सवार तीन लोग भी घायल हुए हैं। घायलों में शामिल एक होमगार्ड को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पांच घायलों का स्वास्थ्य केंद्र माधौगंज में इलाज किया जा रहा है।

उधार दिए रुपये मांगे... तो पेट्रोल डालकर महिला को जिंदा जलाने की कोशिश, हालत नाजुक

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में मंगलवार को मोबाइल की दुकान पर महिला पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। वारदात अंजाम देने वाला दुकानदार वहां से भाग निकला। गंभीर रूप से झुलसी गांव कांकन निवासी महिला को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया गया है। वारदात रुपये के लेनदेन को लेकर अंजाम दी गई है। पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के कांकन गांव का है। गांव की रहने वाली दीपा चौहान दोपहर ज्योंती रोड स्थित लालपुर सथिनी निवासी युवक की दुकान पर आई थी। दुकानदार पर महिला के 80 हजार रुपये उधार थे। दोनों के बीच कहासुनी हुई। फिर अचानक महिला के चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। महिला जली अवस्था में बाहर की ओर भागी। लोगों ने किसी तरह से आग को बुझाया और महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां दीपा ने दुकानदार पर रुपये के विवाद में जिंदा जलाकर मारने की कोशिश का आरोप लगाया। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस भी आ गई। इस बीच दुकानदार मौके से फरार हो चुका था।

संक्षिप्त खबरें

तालाब में मिली कारपेंटर की लाश

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार को आगरा–जयपुर हाईवे पर स्थित शहीद पेट्रोल पंप के सामने तालाब में एक शव पड़ा मिला। लोगों ने देखा तो पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। घटना शाहगंज थाना क्षेत्र के गांव पथौली की है। मामला मलपुरा थाना क्षेत्र के गांव नगला बसुआ का है। गांव निवासी दिलीप जाटव 35 वर्ष पुत्र कैलाशनाथ कारपेंटर था। उसके बड़े भाई स्वरूप सिंह ने बताया है कि रविवार दोपहर को वह पत्नी उमेश से झगड़ा करने के बाद घर से चला गया था। इसके बाद वह घर पर नहीं आया। सुबह सात बजे उसका शव तालाब में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्वरूप सिंह ने बताया है कि उसके भाई की हत्या कर शव को तालाब में फेंका गया है। दिलीप की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। थाना शाहगंज के प्रभारी निरीक्षक ने बताया है कि दिलीप की मौत कैसे हुई है ये पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। अभी कोई तहरीर नहीं आई है।

पत्नी के काम पर जाने से था नाराज

मृतक के भाई स्वरूप सिंह ने बताया है कि दिलीप की पत्नी उमेश पिछले दो वर्षों से आगरा में जूता फैक्टरी में काम पर जाती थी। इसे लेकर वह काफी नाराज रहता था। परिजनों के मुताबिक रविवार को भी इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। दिलीप के दो बच्चे हैं। इनमें तरुण 15 वर्ष कक्षा सात में पढ़ता है। वहीं नंदनी 9 वर्ष कक्षा तीन में पढ़ती है।

बेटे को पीटा, मां को चाकू लेकर दौड़ाया

बांदा, संवाददाता। देहात कोतवाली क्षेत्र के कुलकुम्हारी गांव निवासी दीनदयाल कुशवाहा ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि रविवार को दोपहर वह अपने घर के पास कामकाज कर रहा था। तभी गांव के रामचंद्र व चुन्नू उसके घर आए और अभद्रता करने लगे। जब उसने विरोध किया तो उसे थप्पड़ों से मारपीट कर दी। चीख पुकार सुनकर मां गौरीबाई उसे बचाने के लिए आई तो दोनों ने मां को चाकू लेकर दौड़ा लिया। देहात कोतवाली इंस्पेक्टर सुखराम सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा, संवाददाता। बदौसा थाना क्षेत्र के हलवाई का पुरवा निवासी दिनेश वर्मा (45) ने रविवार सुबह अपने घर के कमरे में छप्पर की धन्नी से रस्सी से फंदा लगा लिया। कुछ देर बाद उसका छोटा पुत्र देवा घर के अंदर गया तो उसने पिता को फंदे से लटका पाया। दिनेश के साले बारेलाल ने बताया कि घटना के समय दिनेश की पत्नी रीता मजदूरी करने गई थी। उसके चार पुत्र हैं। तीन पुत्र शोभा, अंकुश और पवन बाहर रहकर कमाते हैं। उन्होंने बताया कि दिनेश शराब का आदी था। दिनेश दो भाइयों में बड़ा था। छोटे भाई की बीमारी के चलते 15 साल पहले मौत हो चुकी है। बदौसा इंस्पेक्टर सविता सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

दो छात्रों को चाकू से हमला कर गंभीर घायल किया

शामली, संवाददाता। मोहल्ला नंदू प्रसाद में दो साथी छात्रों पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। पीड़ित पक्ष ने तहरीर शहर कोतवाली पुलिस को दी है। शहर के माजरा रोड जैन विहार निवासी पंकज जैन ने सोमवार को शहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया उसका पुत्र प्रियम जैन व उसका दोस्त हिमांशु कौशिक निवासी पंजाबी कॉलोनी रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे बाजार में सामान लेने जा रहा था। प्रियम मुरादाबाद में बीटेक कर रहा है और दस दिन की छुट्टी पर घर आया हुआ है जबकि हिमांशु वीवी पीजी कॉलेज में बीए में पढ़ता है। बाजार जाते समय हिमांशु के मोबाइल फोन पर उसके परिचित यश कांबोज निवासी नंदू प्रसाद ने कुछ बात करने के लिए घर बुलाया। जब वे दोनों साथी उसके घर पहुंचे तो आरोप है कि वहां पर यश कांबोज व उसके साथियों ने चाकू से हमला कर प्रियम व हिमांशु को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने घायल छात्रों को सीएचसी शामली में भर्ती कराया, जहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों के लिए पहुंचीं 60 हजार पुस्तकें

शामली, संवाददाता। शासन की ओर से इस बार बेसिक स्कूल के कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों के लिए एनसीईआरटी की पुस्तकें लागू की गई हैं। जिले में इन कक्षाओं के लिए 85 हजार के सापेक्ष 60 हजार पुस्तकें पहुंच चुकी है। जल्द ही वितरण शुरू किया जाएगा। अप्रैल में विद्यालय खुलने के बाद कक्षा तीन से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तकें वितरित कर दी गई थी।

कारण था कि यह पहले ही जिले में आ चुकीं थीं। कक्षा एक और दो के लिए पुस्तकें नहीं आ सकी थी। कारण था कि शासन स्तर से इन कक्षाओं में चलने वाली पुस्तकों को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं था। शासन इन कक्षाओं में एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकें संचालित कराने की तैयारी में था। जुलाई में स्कूल खुलने के बाद शासन की ओर से एनसीईआरटी की पुस्तकों की खेप जिले में आ चुकी है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वत्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।